विशिष पर्यटक ट्रेन

चर्चा में क्यों ?

सूत्रों के अनुसार, उत्तराखंड पर्यटन विभाग ने **दक्षिण भारत** में एक समर्पित पर्यटक ट्रेन संचालित करने के लियेभारतीय रेलवे खान-पान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (IRCTC) के साथ साझेदारी की है।

मुख्य बिंदु:

- केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत **केदार बद्री कार्तिक (मुरुगन) कोइल यथरिाई** नामक अनूठी ट्रेन **तमलिनाडु के मदुरै से ऋषिकेश तक 165 यात्रियों के साथ अपनी पहली यात्रा** शुरू करेगी।
- ट्रेन में सवार सभी 165 यात्रियों को **12 दिन और रात के लिये विशिष टूर पैकेज** दिये गए हैं।
  - इसमें रुद्रप्रयाग, बद्रीनाथ और केदारनाथ में नए खोजे गए पर्यटक स्थल **कार्तिक स्वामी मंदिर** के दर्शन शामिल हैं।
  - टूर पैकेज में पर्यटकों के लिये विश्राम और खाने-पीने की पूरी सुविधा शामिल है।
- उत्तराखंड पर्यटन का उद्देश्य दक्षिण, विशेषकर चेन्नई से अधिक तीर्थयात्रियों को आकर्षित करना है, ताकि उन्हें रुद्रप्रयाग ज़िले में एक नए विकसित महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल कार्तिक स्वामी मंदिर से जोड़ा जा सके।
  - मान्यता के अनुसार शिव के पुत्र **भगवान कार्तिकेय** अपने माता-पिता के साथ यहाँ आए थे और उन्होंने अपनी**अस्थियाँ पिता को तथा देह/आमिष माता को सौंप दिया** था।
  - ऐसा कहा जाता है कि ये अस्थियाँ मंदिर में मौजूद हैं। उत्तर भारत में यह **भगवान कार्तिकेय** का एकमात्र मंदिर है, जिन्हें दक्षिण भारत में देवता मुरुगन के रूप में जाना जाता है।
- उत्तराखंड पर्यटन विभाग ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से पश्चिमी और दक्षिण भारत से विशेष रेलगाड़ियाँ संचालित करने के लिये IRCTC के साथ सहयोग किया है।
  - **महाराष्ट्र और पश्चिम के अन्य राज्यों से पर्यटकों को कुमाऊँ क्षेत्रों** की ओर **आकर्षित करने के लिये** मार्च तथा अप्रैल, 2024 में पुणे से **मानसखंड एक्सप्रेस** नामक दो विशेष रेलगाड़ियाँ शुरू की गईं।

भारतीय रेलवे खान-पान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (Indian Railway Catering and Tourism Corporation- IRCTC)

- यह एक **मिनी रत्न श्रेणी-I** (वर्ष 2008 में प्रदान किया गया) **केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम** है जो **पूरी तरह से रेल मंत्रालय के स्वामित्व में** है और उसके प्रशासनिक नियंत्रण में है।
- यह एक पंजीकृत उद्यम है और इसका कॉर्पोरेट कार्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- IRCTC को **सितंबर 1999** में भारतीय रेलवे की विस्तारित शाखा के रूप में शामिल किया गया था, जिसका उद्देश्य स्टेशनों, ट्रेनों और अन्य स्थानों पर **खान-पान तथा आतिथ्य सेवाओं को उन्नत, पेशेवर बनाना एवं इनका प्रबंधन करना** है। यह फर्म वर्तमान में 4 व्यावसायिक क्षेत्रों में काम करती है, अर्थात् **इंटरनेट टिकटिंग, खान-पान, पैकेजिंग पेयजल, यात्रा** और **पर्यटन**। यह एकमात्र इकाई है जिसे भारतीय रेलवे द्वारा देश में रेलवे स्टेशनों तथा ट्रेनों में खान-पान सेवाएँ, ऑनलाइन रेलवे टिकट एवं पैकेज्ड पेयजल प्रदान करने के लिये अधिकृत किया गया है।
  - इससे ई-टिकटिंग, पैकेज्ड पेयजल और ई-कैटरिंग में बाज़ार हिस्सेदारी बढ़ाने में इसका लाभ मिलता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/special-tourist-train